

- 37 ΦΑΡΙΣΑΙΟΥΣ. Κ[. . . .]ΟΝ ΑΥΤ[  
 38 ΝΟΙ. ΔΙΑ ΤΙ ΟΥ[. . .]ΑΓΕΤΕ Α[  
 39 ΑΠΕΚΡΙΘΗΣΑΝ Ο[.] ΥΠΗΡΕΤ[  
 40 ΠΩΤΕ<sup>1</sup> ΕΛΑΛΗΣΕΝ [.]ΥΤΩΣ ἈΝ[  
 41 ΚΡΙΘΗΣΑΝ ΟΥΝ ΑΥ[. .]ΙΣ ΟΙ ΦΑΡ[  
 42 ΜΗ ΚΑΙ ὙΜΕΙΣ Π[. . .]ΝΗΣΘΕ. Μ[  
 43 ΤΩΝ ΑΡΧΟΝΤΩΝ [  
 44 ΤΟΝ Η ΕΚ ΤΩΝ Φ[. . . . .]Ν. Α[  
 45 ΟΥΤΟΣ Ο ΜΗ ΓΕΙΝΩ[. .]ΩΝ ΤΟΝ Ν[

*Ende der Seite korrekt*

*Blatt 54 → Joh 7,32-49*

*Beginn der Seite korrekt*

*Stichometrie*

- |    |  |    |
|----|--|----|
| 01 | - ΛΑΝ ΟΙ ΑΡΧ[ι]ΕΡΕΙΣ ΚΑΙ ΟΙ ΦΑΡΙΣΑΙΟΙ ὙΠΗΡΕ-                   | 33 |
| 02 | ΤΑΣ ἵΝΑ [πι]ΑΣΩΣΙΝ ΑΥΤΟΝ· <sup>7,33</sup> ΕΙΠΕΝ ΟΥΝ            | 27 |
| 03 | ἸΣ ΕΤΙ Χ[ρο]ΝΟΝ ΜΙΚΡΟΝ ΜΕΘ ὙΜΩΝ ΕΙΜΙ                           | 28 |
| 04 | ΚΑΙ ὙΠΑΓ[ω] ΠΡΟΣ ΤΟΝ ΠΕΜΨΟΝΤΑ <sup>2</sup> ΜΕ·                 | 25 |
| 05 | <sup>34</sup> ζ]ΗΤΗΣΑΤ[ε] <sup>3</sup> ΜΕ ΚΑΙ ΟΥΧ ΕΥΡΗΣΕΤΕ ΜΕ· | 26 |

<sup>1</sup> Korrekt: ΟΥΔΕΠΟΤΕ.

<sup>2</sup> Korrekt: ΠΕΜΨΑΝΤΑ.

<sup>3</sup> Korrekt: ΖΗΤΗΣΕΤΕ.